वाजपेयी का राजनीतिक जीवन

रोहित कुमार

भारतीय राजनीति में श्री अटल बिहारी वाजपेयी का अमूल्य योगदान है। उनकी सादगी, सूचिता और माधुर्य बाल भारती राजनीति के लिए अमूल्य निधि है, एवं उनका व्यक्तित्व अन्य नेताओं के लिए प्रेरणा स्रोत। श्री अटल बिहारी वाजपेयी का सम्पूर्ण राजनीति जीवन बेदाग रहा और वे सब को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। उनके सरल और माधुर्य स्वभाव का ही परिणाम था कि देश के इतिहास में प्रथम बार गठबंधन सरकार के कार्यकाल को पूरा करने का श्रेय उन्हें जाता है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी का राजनैतिक कैरियर बहुत ही शानदार रहा हैं इस दौरान उन्हें विभिन्न राजनैतिक पदों को सुशोभित करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय राजनीतिक जीवन की शुरूआत एक सांसद के तौर पर की थी। कालान्तर में उन्हें विदेश मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता का भी पद प्राप्त हुआ। अंत में भारतीय राजनीति का सबसे महान व प्रतिष्ठित पद प्रधानमंत्री के पद पर आसीन होने का अवसर प्राप्त हुआ। श्री अटल बिहारी वाजपेयी कुल 8 बार लोक सभा के लिए चुने गये। लखनऊ से लगातार चार बार लोक सभा चुनाव जीते। वे भारत के एक मात्र सांसद थे जिन्होंने चार राज्यों यथा मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तरप्रदेश तथा दिल्ली से चुनाव लड़ा। उल्लेखनीय है कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कभी भी विधान सभा चुनाव नहीं लड़ा। एक सांसद के तौर पर श्री वाजपेयी को पार्टी ने जनसंघ के संसदीय दल का नेता बनाया था। इस पद पर वे 1955 से 1977 तक विराजमान रहे। पुनः 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के पश्चात् वे बीजेपी संसदीय दल के नेता चुने गये।